ईरान के इस्लामी इन्कलाब, सेपाहे पासदाराने कुदस फोर्स जनरल और इसलाम व ईरान के प्रमुख कमांडर शहीद कासिम सुलैमानी का अपने जीवन के दर्शन शास्त्र, जिहाद व मजलूमों और दुनिया के डरे बच्चों की रक्षा में शहादत की तमन्ना व कामना के बारे में अपनी बेटी फातिमा के नाम पत्र (खत);

बिस्मिल्ला हिर रहमान निर रहीम

क्या यह नेरा आखिरी सफर है या मेरी किस्मत में कुछ और है। चाहे जो भी हो मैं इससे संतुष्ट हूं। इस सफर(यात्रा) में यह मैं आपके लिए लिख रहा हूं ताकि मेरे बिना उदासी में आप के लिए एक यादगार हो ।शायद आप को इसमें कोई दर्द भरा शब्द मिले जो आपके काम आये।

हर बार जब सफर शुरू करता हूं तो मुझे ऐसा लगता है कि आप सबको दुबारा नहीं देख पाऊंगा। रास्ते में कई बार मैंने एक एक करके आप सभी के प्यार भरे चेहरों की अपनी आंखों के सामने कल्पना की है और अकसर आप लोगों की याद में मैंने आंसू बहाए है। मैं आप सभी लोगों को याद करता हूं, मैं तुम्हें अल्लाह को सौंपता हूँ।

हालाँकि मुझे प्यार का इजहार करने का अवसर कम था और मैं उस आंतरिक प्यार को व्यक्त नहीं कर सका।हालाँकि मुझे प्यार का इजहार करने का अवसर कम था और मैं उस आंतरिक प्यार को व्यक्त नहीं कर सका। लेकिन मेरी प्यारी बेटीक्या आपने कभी किसी को अपनी आँखों के सामने आईने से कहते , लेकिन उसकी आँखें उसके लिए अधिक ,ऐसा कम ही होता है ?देखा है कि वह आपसे प्यार करता है मेरे प्रिय। ,मूल्यवान हैं। तुम मेरी आँखें हो। मैं कहूं या नहीं मैंने हमेशा तुम्हारे बारे में बीस साल से अधिक समय तक चिंता की हैयह जीवन समाप्त नहीं होगा और तुम हमेशा ,और भगवान ने चाहा है , मैं कुछ और कर ,जो कुछ भी मैं इस दुनिया में सोचता हूं और करता हूं ,भय में सपना देखोगे।मेरी बेटी सकता हूं आपको कम चिंतित करने के लिए मैंने ,देखा कि मैं नहीं कर सकता थाऔर यह सैन्यवाद में , मेरी रुचि के कारण नहीं था। यह नौकरी के कारण नहीं किया गया है और न ही होगा। यह किसी के ,जिम्मेदारी ,मैं अपनी नौकरी ,मेरी बेटी ,साथ ज़बरदस्ती या जिद के कारण नहीं किया गया है। नहीं जिद या ज़बरदस्ती के कारण या एक पल के लिए भी आपको चिंतित करने को तैयार नहीं हूँअकेले में , आपको रोने दें या रूलाऐं

मैंने देखा कि इस दुनिया में हर किसी ने अपने लिए एक रास्ता चुना हैएक विज्ञान सीखता है और , दूसरा विज्ञान सीखाता है।एक व्यापार करता हैं दूसरा खेती करता है और लाखों तरीके हैंया कहने के लिए , और हर किसी ने अपने लिए एक रास्ता चुना है।मैंने देखा ,हर इंसान के लिए एक रास्ता है ,बेहतर है कि मुझे कौन सा रास्ता चुनना चाहिए।मैंने खुद से सोचा और कुछ मुद्दों की समीक्षा की और खुद से और मूल रूप से मे ?यह रास्ता कितना लंबा है ,पूछासबसे पहलेरा गंतव्य क्या है? मैंने देखा कि मैं और

सभी अस्थायी हैं। वे कुछ दिनों के लिए ज़िन्दा हैं और छोड़ कर चल देते हैं। कुछ कुछ साल हैंकुछ दस , लेकिन कुछ सौ साल तक पहुंचते हैं। ,साल लेकिन हर कोई साथ छोड़ देता है और हर कोई अस्थायी है। मैंने व्यापार करने के लिए देखा तो देखा कि उका अंतिम परिणाम कुछ चमकदार सिक्के और कुछ घर और कुछ कारें हैं। लेकिन इस दिशा में मेरे भाग्य पर उनका कोई असर नहीं है।मुझे लगा कि मैं तुम्हारे लिए जीऊंगामैंने देखा कि तुम मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण और मूल्यवान हो , इस , तरह के अगर आपको दर्द महसूस होता हैतो दर्द मेरे पूरे अस्तित्व को होने , लगता है। अगर आपको कोई समस्या होती हैतो मैं , खुद को आग की लपटों के बीच में पाता हूं। यदि आप मुझे एक दिन के लिए छोड़ देते होतो मेरे , अस्तित्व का बंधन टूट जाएगा। लेकिन मैंने देखा कि मैं इन आशंकाओं और चिंताओं को कैसे हल कर सकता हूं। मैंने देखा कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति से जुड़ना है जो मुझे इस महत्वपूर्ण चीज से ठीक करेगाऔर वह , कोई और नहीं बल्कि अल्लाह (ईश्वर) है। यह मूल्य और खजाना कि आप मेरे अस्तित्व के फूल हैंधन , और शक्ति के साथ संरक्षित नहीं किया जा सकता है। अन्यथा, अमीर और शक्तिशाली को मृत्यु को रोकना चाहिए या उनका धन और शक्ति उनकी लाइलाज बीमारियों से रोकें और बिस्तर में गिरने वाली बीमारी से बचाऐं। इस लिए मैंने अल्लाह (भगवान) और उसके रास्ते को चुना है। यह पहली बार है जब मैंने इस वाक्य को कबूल किया हैमैं कभी भी स ;ेना में नहीं बनना चाहता थामुझे गरेजवेशन , (स्नातक) होना कभी पसंद नहीं था। मैं कासिम के सुंदर शब्दों का उच्चारण करता हूं कि उस बसीजी पासदार के पवित्र मुंह से शहादत का दरजा पाने पर मैं किसी भी पद को पसंद नहीं करता। मैने चाहता था और चाह रहा हूं कि प्रत्यय और उपसर्ग के बिना मैं कासिम रहुं।इस लिए मैंने वसीयत की के मेरी कब्र पर , केवल फौजी कासिम लिखनान , जो कि एक बड़ा व्यक्ति है और दोसरों के भार ,कि कासिम सोलेमानी व बोझ बढ़ाता है।

* मेरे प्रिय, मैंने अल्लाह से चाहा कि मेरे अस्तित्व की सभी धमनियों और मेरे रगों के सभी बालों को अपने लिए प्यार से भर देे *। मेरे वजूद (अस्तित्व) को अपने ही प्यार से भर दे। मैंने यह रास्ता इस लिए नहीं चुना के इंसान की हत्या करूं, तुम्हें तो पता है कि मैं मुर्गे के कटते सर को भी नहीं देख सकता।* अगर मैंने हथियार उठाया है तो इन्सान के कातिलों से मुक़ाबले के लिए, इनसान को मारने के लिए नहीं।* मैं खुद को हर उस मुसलमान के घर में एक सैनिक के रूप में देखता हूं, जो खतरे में है, और मैं चाहूंगा कि भगवान मुझे दुनिया में सभी शोषितों की रक्षा करने में सक्षम होने की शक्ति दे। मैं अपने प्रिय इस्लाम के लिए अपना जीवन नहीं दूंगा, जिसके लिए मेरा जीवन सक्षम नहीं है, ना ही मजलूम शिया के लिए के मैं जिस से कमतर हूं, नहीं...नहीं ,,। लेकिन एक घबराए हुए असहाय बच्चे की मदद के लिए जिसके पास कोई शरण नहीं हैउस भयभीत महिला के लिए जो अपने , बच्चे को अपने सीने से लगाए रखती है और मैं उस भागते और सताए गए विस्थापित व्यक्ति के लिए लड़ूंगाजिसने अपने पीछे खून की एक रेखा छोड़ दी है। ,

मेरी प्यारी बेटीजो ,मैं उस सेना से संबंधित हूं , सोती नही है और उसे सोना भी नहीं चाहिए। ताकि दूसरे लोग चैन की नींद सो सकें। मेरी शांति को उनकी शांति के लिए बलिदान दे दो और उन्हें सोने दो। मेरी प्यारी बेटीआप मेरे घर में सुरक्षित ,, सम्मानित और आप गर्व से जिन्दगी जी रही हो, मैं उस असहाय लड़की के लिए क्या करू जिसकी फरियाद कोई नहीं सुनता है और वह रोता हुआ बच्चा जिसके पास कुछ नहीं है कुछ नहीं और व ...ह अपना सब कुछ खो चुका है। तोअ ाप मुझे अपने लिए भेंट चढ़ा दो और उनके लिए छोड़ दो ।* मुझे जाने दोजाने दो , और जाने दो। मेरा सारा कारवां चला गया और मैं पीछे रह गया।

मेरी बेटी बहुत थक गया हुं। मैं तीस साल से सोया नहीं हूँलेकिन मैं अब और सोना नहीं चाहता ,, मैंने अपनी आँखों में नमक डाला ताकि मेरी पलकें एक साथ बन्द होने की हिम्मत न करें ताकि ऐसा ना हो के मेरी लापरवाही की वजह से उस असहाय बच्चे के सर को काट दें। जब मैं सोचता हूँ कि वह भयभीत लड़की तू है, नार्सिसस है ज़ैनब है और वह किशोर और युवक जिनका कत्लखाने ,मैं सिर कलम किया जा रहा है मेरे हुसैन व रेजा हैं तो अ ाप मुझसे क्या उम्मीद रखती हो? नहीं* मैं ऐसे नहीं जी सकता। ,

वससलामु अलैकुम व रहमतुललाह